

# कारतूस

## सारांश

यह पाठ जाँबाज़ वज़ीर अली के जिंदगी का एक अंश है। इस नाटक में उस हिस्से को बताया गया है जब वज़ीर अली अपने दुश्मन के कैंप में जाकर वहाँ से अपने लिए कारतूस ले जाता है और अपने बहादुरी का गुणगान अपने दुश्मनों से करवाता है।  
नाटक के पात्र – कर्नल, लेफ्टिनेंट, सिपाही, सवार (वज़ीर अली)

अंग्रेज़ सरकार के आदेशानुसार वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए कर्नल कालिंज अपने लेफ्टिनेंट और सिपाहियों के साथ जंगल में डेरा डाले हुए हैं। उन्हें जंगल में आये हुए हफ्ते गुजर गए हैं परन्तु वह अभी तक वज़ीर अली को गिरफ्तार नहीं कर पाये हैं। वज़ीर अली के दिल में अंग्रेज़ों के प्रति नफरत की बातें सुनकर उन्हें रॉबिनहूड की याद आ जाती है। अपने पांच महीने के शासनकाल में उसने अवध के दरबार से अंग्रेजी हुकूमत को साफ़ कर दिया। सआदत अली आसिफउद्दौला का भाई है साथ ही वज़ीर अली का दुश्मन भी है क्योंकि आसिफउद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी परन्तु वज़ीर अली ने सआदत अली के सारे सपने को तोड़ दिया।

अंग्रेज़ों ने सआदत अली को अवध के तख्त पर बैठाया क्योंकि वो अंग्रेज़ों से मिलकर रहता है और ऐश पसंद आदमी है। इसके बदले में सआदत अली ने अंग्रेज़ों को आधी दौलत और दस लाख रुपये नगद दिए।

लेफ्टिनेंट कहता है कि सुना है वज़ीर अली ने अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत दी है इसपर कर्नल ने कहा कि अफ़गानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले टीपू सुल्तान ने दी, फिर वज़ीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया फिर शमसुद्दौला ने भी जो नवाब बंगाल का रिश्ते का भाई है और बहुत खतरनाक है। इस तरह पूरे हिन्दुस्तान में कंपनी के खिलाफ लहर दौड़

गयी है। यदि यह कामयाब हो गयी तो लार्ड क्लाइव ने बक्सर और प्लासी के युद्ध में जो हासिल किया था वह लार्ड वेल्जली के हाथों खो देगी। कर्नल पूरी एक फ़ौज लिए वज़ीर अली का पीछा जंगलों में कर रहा है परन्तु वह पकड़ में नहीं आ रहा है। कर्नल ने वज़ीर अली द्वारा कंपनी के वकील की हत्या करने का किस्सा सुनाते हुए कहा कि हमने वज़ीर अली को पद से हटाकर तीन लाख रूपए सालना देकर बनारस भेज दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता बुलाया। वज़ीर अली बनारस में रह रहे कंपनी के वकील के पास जाकर पूछा कि उसे कलकत्ता क्यों बुलाया जाता है इसपर वकील ने उसे बुरा-भला कह दिया, जिस कारण वज़ीर अली ने वकील को खंजर से मार दिया। उसके बाद वह अपने कुछ साथियों के साथ आजमगढ़ भाग गया वहां के शासन ने उनलोगों को सुरक्षित घागरा पहुँचा दिया अब वे इन्हीं जंगलों में कई साल से भटक रहे हैं। लेफ्टिनेंट द्वारा पूछे जाने पर कर्नल ने वज़ीर अली की स्कीम बताते हुए कहता है कि वे किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहते हैं। अफ़ग़ानी हमले का इंतज़ार करें ताक़त बढ़ाएँ। वह सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद कब्ज़ा करे और अंग्रेज़ों को हिन्दुस्तान से निकाल दे। लेफ्टिनेंट अपनी शंका जताते हुए कहता है कि हो सकता है की वे लोग नेपाल पहुँच गए हों जिसपर कर्नल उसे भरोसा दिलाते हुए बताता है कि अंग्रेजी और सआदत अली की फौजें बड़ी सख्ती से उनका पीछा कर रही हैं और उन्हें पता है की वह इन्हीं जंगलों में है। तभी एक सिपाही आकर कर्नल को बताता है कि दूर से धूल उड़ती दिखाई दे रही है लगता है कोई काफ़िला चला आ रहा हो। कर्नल सभी को मुस्तैद रहने का आदेश देता है। लेफ्टिनेंट और कर्नल देखते हैं की केवल एक ही आदमी है। कर्नल सिपाहियों से उसपर नजर रखने को कहता है। घुड़सवार उनकी ओर आकर रुक जाता है और इज़ाज़त लेकर कर्नल से मिलने अंदर जाता है और एकांत की माँग करता है जिसपर कर्नल सिपाही और लेफ्टिनेंट को बाहर भेज देते हैं। वह कर्नल से कहता है कि वज़ीर अली को पकड़ना कठिन और कारतूस की माँग करता है। कर्नल उसे कारतूस दे देता है। जब वह कारतूस लेकर जाने लगता है तो कर्नल उससे उसका नाम पूछता है। वह अपना नाम वज़ीर अली बताता है और कारतूस देने के कारण उसकी जान बख़शने की

बात कहता है। उसके चले जाने के बाद लेफ्टिनेंट जब पूछता है कि कौन था तब कर्नल एक जाँबाज़ सिपाही बतलाता है।

### **हबीब तनवीर**

इनका जन्म 1923 में छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुआ था। इन्होंने 1944 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उसके बाद ब्रिटेन की नाटक अकादमी से नाट्य-लेखन अध्ययन करने गए और फिर दिल्ली लौटकर पेशेवर नाट्य पांच की स्थापना की।

### **प्रमुख कार्य**

प्रमुख नाटक – आगरा बाज़ार, चरनदास चोर, देख रहे हैं नैन, हिरमा की अमर कहानी।

बसंत ऋतू का सपना, शाजापुर की शांति बाई, मिट्टी की गाड़ी और मुद्राराक्षस नाटकों का आधुनिक रूपांतर किया।

पुरस्कार – फेलोशिप, पद्मश्री सहित कई अन्य पुरस्कार।

### **कठिन शब्दों के अर्थ**

- खेमा – डेरा
- अफ़साने – कहानियाँ
- कारनामे – ऐसे काम जो याद रहें
- पैदाइश – जन्म
- तख़्त – सिंहासन
- मसलेहत – रहस्य
- ऐश पसंद – भोग विलास पसंद करने वाला
- जाँबाज़ – जान की बाज़ी लगाने वाला
- दमखम- शक्ति और दृढ़ता
- जाती तौर पर – व्यक्तिगत रूप से
- वज़ीफ़ा – परवरिश के लिए दी जाने वाली राशि
- मुकर्रर – तय करना

- तलब किया – याद किया
- हुक्मरां – शासक
- गर्द – धूल
- काफ़िला – एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाने वाले यात्रियों का समूह
- शुब्हे – संदेह
- दिवार हमगोश दारद – दीवारों के भी कान होते हैं
- लावलशकर – सेना का बड़ा समूह और युद्ध सामग्री
- कारतूस – पीतल और दफ़ती आदि की एक नली जिसमें गोली तथा बारूद भरी होती है।

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए –**

**1. कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?**

**उत्तर** कर्नल कालिंज ने वज़ीर अली को गिरफ़्तार करने के लिए जंगल में खेमा लगाये हुए था।

**2. वज़ीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?**

**उत्तर** वज़ीर अली ने कई वर्षों से अंग्रेज़ों की आँख में धूल झाँककर उनकी नाक में दम कर रखा था। इसलिए वे वज़ीर अली से तंग आ चुके थे।

**3. कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा?**

**उत्तर** कर्नल ने सवार पर नज़र रखने के लिए इसलिए कहा क्योंकि धूल के उड़ने से उसने अंदाज लगाया कि लोग ज़्यादा हैं और वज़ीर को ढूँढ़ रहे हैं।

**4. सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है?**

**उत्तर** सवार खुद वज़ीर अली था जो कि बहुत बहादुर था और शत्रुओं को ललकार रहा था।

**(क) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए –**

**1. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?**

**उत्तर** वज़ीर अली रॉबिनहुड की तरह साहसी, हिम्मतवाला और बहादुर था। वह भी रॉबिनहुड की तरह किसी को भी चकमा देकर भाग जाता था। वह अंग्रेज़ी सरकार की

पकड़ में नहीं आ रहा था। कम्पनी के वकील को उसने मार डाला था। उसकी बहादुरी के अफ़साने सुनकर ही कर्नल को रॉबिनहूड की याद आती थी।

**2. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?**

**उत्तर** सआदत अली वज़ीर अली का चाचा और नवाब आसिफउदौला का भाई था। जब तक आसिफउदौला के कोई सन्तान नहीं थी, सआदत अली की नवाब बनने की पूरी सम्भावना थी। इसलिए उसे वज़ीर अली की पैदाइश उसकी मौत लगी।

**3. सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?**

**उत्तर** सआदत अली आराम पसंद अंग्रेज़ों का पिटू था। अंग्रेज़ कर्नल को उसे तख्त पर बिठाने का मकसद अवध की धन सम्पत्ति पर अधिकार करना था। उसने अंग्रेज़ों को आधी सम्पत्ति और दस लाख रुपये दिए। इस तरह सआदत अली को गद्दी पर बैठने से उन्हें लाभ ही लाभ था।

**4. कंपनी के वकील का कत्ल करने के बाद वज़ीर अली ने अपनी हिफ़ाज़त कैसे की?**

**उत्तर** कंपनी के वकील की हत्या करने के बाद वज़ीर अली आजमगढ़ भाग गया और वहाँ के नवाब ने उसकी सहायता की और उसे सुरक्षित घागरा पहुँचा दिया। तब से वह वहाँ के जंगलों में रहने लगा।

**5. सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?**

**उत्तर**

बड़ी चतुराई से वज़ीर अली कारतूस लेने कर्नल के खेमे में सवार बनकर आया था। जाते समय कर्नल ने नाम पूछा तो उसने वज़ीर अली बताया। उसे सामने देखकर कर्नल हक्का-बक्का रह गया।

**(ख) निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -**

**1. लेफ़्टीनेंट को ऐसा क्यों लगा कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिंदुस्तान में एक लहर दौड़ गई है?**

**उत्तर** लेफ़्टीनेंट को जब कर्नल ने बताया कि कंपनी के खिलाफ़ केवल वज़ीर अली ही नहीं बल्कि दक्षिण में टीपू सुल्तान, बंगाल में नवाब का भाई शमसुद्दौला भी है।

इन्होंने अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहेज़मा को आक्रमण के लिए निमंत्रण दिया है। यह सब देखकर लेफ़्टीनेंट को आभास हुआ कि कंपनी के खिलाफ़ पूरे हिन्दूस्तान में लहर दौड़ गई है।

## **2. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?**

**उत्तर** वज़ीर अली को उसके नवाबी पद से हटा दिया गया और बनारस भेज दिया गया। फिर कलकत्ता बुलाया तो वज़ीर अली ने कंपनी के वकील, जोकि बनारस में रहता था, उससे शिकायत की परन्तु उसने शिकायत सुनने की जगह खरीखोटी सुनाई। इस पर वज़ीर अली को गुस्सा आ गया और उसने वकील का कत्ल कर दिया।

## **3. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?**

**उत्तर** सवार वज़ीर अली अकेला ही घोड़े पर सवार होकर अंग्रेज़ों के खेमे में पहुँच गया और कर्नल को दिखाया कि वह भी वज़ीर अली के खिलाफ़ है। उसने कर्नल से अकेले में मिलने के लिए कहा। कर्नल मान गया और वज़ीर अली के दस कारतूस माँगने पर उसने दे दिए। इस तरह सवार ने कर्नल से कारतूस हासिल किए।

## **4. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर** वज़ीर अली को अंग्रेज़ों ने अवध के तख्ते से हटा दिया पर उसने हिम्मत नहीं हारी। वज़ीफे की रकम में मुश्किल डालने वाले कंपनी के वकील की भी हत्या कर दी। अंग्रेज़ों को महीनों दौड़ाता रहा परन्तु फिर भी हाथ नहीं आया। अंग्रेज़ों के खेमे में अकेले ही पहुँच गया, कारतूस भी ले आया और अपना सही नाम भी बता गया। इस तरह वह एक जाँबाज़ सिपाही था।

## **(ग) निम्नलिखित का आशय स्पष्ट कीजिए -**

### **1. मुट्ठीभर आदमी और इतना दमखम।**

**उत्तर** इस पंक्ति में वज़ीर अली के साहस और वीरता का परिचय है। वह थोड़े से सैनिकों के साथ जंगल में रह रहा था। अंग्रेज़ों की पूरी फ़ौज उसका पीछा कर रही थी फिर भी उसे पकड़ नहीं पा रही थी।

2. गर्द तो ऐसे उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

उत्तर यह कथन लेफ़्टीनेंट का है। जब वज़ीर अली अंग्रेज़ों के खेमे में अकेला ही आ रहा था परन्तु इतनी तेज़ी से आ रहा था, इतनी धूल उड़ रही थी कि मानों कई सैनिक आ रहे हो, पूरा एक काफ़िला आ रहा हो। लेफ़्टीनेंट कहता है सैनिक तो एक ही नज़र आ रहा है।

### भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित शब्दों का एक-एक पर्याय लिखिए -

उत्तर

खिलाफ़	-	विरुद्ध
पाक	-	पवित्र
उम्मीद	-	आशा
हासिल	-	प्राप्त
कामयाब	-	सफल
वज़ीफ़ा	-	छात्रवृत्ति
नफ़रत	-	घृणा
हमला	-	आक्रमण
इंतेज़ार	-	प्रतीक्षा
मुमकिन	-	संभव

2. निम्नलिखित मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए -

उत्तर (क) आँखों में धूल झाँकना - चोर ने पुलिस के आँखों में धूल झाँककर चोरी कर ली।

(ख) कूट-कूट कर भरना - झाँसी की रानी में देशभक्ति कूट-कूट कर भरी थी।

(ग) काम तमाम कर देना - बिल्ली ने चूहे का काम तमाम कर दिया।

(घ) जान बख़्श देना - देश के दुशमनों की जान नहीं बख़्शनी चाहिए।

(ड) हक्का-बक्का रह जाना – अचानक चाचाजी को सामने देखकर सब हक्के-बक्के रह गए।

**3. कारक वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया के साथ संबंध बताता है।**

**निम्नलिखित वाक्यों में कारकों को रेखांकित कर उनके नाम लिखिए –**

**उत्तर** (क) जंगल की ज़िंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

संबंध कारक

(ख) कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई।

संबंध कारक, अधिकरण कारक

(ग) वज़ीर को उसके पद से हटा दिया गया।

कर्म कारक, अपादान कारक

(घ) फ़ौज के लिए कारतूस की आवश्यकता थी।

संप्रदान कारक, संबंध कारक

(ड) सिपाही घोड़े पुर सवार था।

अधिकरण कारक

**4. नीचे दिए गए वाक्यों में 'ने' लगाकर उन्हें दुबारा लिखिए –**

**उत्तर** (क) घोड़े ने पानी पिया।

(ख) बच्चों ने दशहरे का मेला देखा।

(ग) रॉबिनहूड ने गरीबों की मदद की।

(घ) देशभर के लोगों ने उसकी प्रशंसा की।

**5. निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए –**

**उत्तर** (क) कर्नल ने कहा, “सिपाहियों इस पर नज़र रखो ये किस तरफ़ जा रहा है?”

(ख) सवार ने पूछा, “आपने इस मकाम पर क्यों खेमा डाला है? इतने लावलशकर की क्या ज़रूरत है?”

(ग) खेमे के अंदर दो व्यक्ति बैठे बातें कर रहे थे। चाँदनी छिटकी हुई थी और बाहर सिपाही पहरा दे रहे थे। एक व्यक्ति कह रहा था, “दुश्मन कभी भी हमला कर सकता है।”